

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2410

आतंकवाद
बाग्यराज

लोको

राज
रजत वर्ष

HEMANT
TOOTJA WASH
Enigma Kom



World Terrorism

जापान में आंतकवाद फैलाने के जुर्म में धार्मिक संगठन ओम को 13 साल पूर्व बैन कर दिया गया था और ओम के गुरु कोशीमासा को कैद कर लिया गया था। लेकिन अब किसी नकाबपोश ने उसे आजाद करा लिया है। अब जापान के साथ-साथ पूरी दुनिया है खतरे में और नागराज है जापान में। रहस्यमयी षडयंत्रों के जालों को काट फेंकने के लिए वो अकेला ही आंतकवादी संगठन फ्यूरियस फाईव के अड्डे में घुस चुका है। रोनिन व कामीकाजे में आप अब तक की रोमांचक कथा पढ़ चुके हैं। अब आगे पढ़ें!

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

राज कॉमिक्स है मेरा जन्म!

लोमो

The Mystic Katana

एक ऐसी घातक तलवार जो कड़ी निष्ठा से फौलाद से भी मजबूत धातु से बनाई जाती है। फौलाद को भी काट डालने के लिए। जिसके बारे में प्रसिद्ध है एक बार एक शिकार, यह पहुंचाती है मौत के घाट।

“देश भक्तों का दुश्मन है ये। इसे जिन्दा ना छोड़ना।”

परिकल्पना
विवेक मोहन,
अनुराग सिंह

लेखक
संजय गुप्ता,
तरुण कुमार वाही

चित्रांकन
हेमंत

इंकिंग
गौरव
श्रीवास्तव

इफैक्ट
सुनील

कैलीग्राफी
हरीश शर्मा

संपादक
मनीष गुप्ता

किल हिम!

शौ का सामना करने के लिए मेरे पास हैं हजारों सांप

हिरस

हिरस

कितने श्री सिद्धहस्त हों लेकिन-

अगर हाथों में हथियार नहीं रहते तो-

सांय

सांय

सांय

सांय!!!

उफ!!!

सांय!!!

बुजदिलों की हार निश्चित होती है।

अब इस जहर को जापान वासियों की जाने नहीं लेना दूंगा।

आSSSSह!

आSSSSह!

ओप्फ!

मुझे खुशी है कि ये अपनी ही खोदी गई खाई में गिर रहे हैं।

मुझे दुख है बेजुबान जानवरों के लिए, लेकिन मैं इन्हें नहीं बचा सकता था, क्योंकि ये सभी एंथ्रैक्स या इबोला से संक्रमित हो चुके थे।

'किल
हिम' किसने
कहा था?

मैंने!

नागराज!
मुझे कहते हैं
चुम्बकी!!

मेरे सौ पर तू भारी
पड़ा। अब देख मैं कैसे तुझ
पर भारी पड़ता हूँ।



ये क्या? ये दूर खड़े-खड़े कैसे
मेरे सर्पों को मार पा रहा है?

जब जिंदगी नहीं दे सकता इंसान तो
मौत देने को क्यों तैयार रहता है?

कैसा लालच है यह जिसके लिए यह उतार
देते हैं किसी को भी मौत के घाट?

धाड़!!!

आह!

कड़ाक

क्या यह इन्सान हैं?

या इन्सान के रुप में हैवान हैं?

आह!

जब करते हैं तब करते हैं...

जानलेवा प्रहार!

मेरी चुम्बकीय
शक्ति से नहीं जीत पाएगा
तू नागराज!

कोशीमासा जो खुद
को बुद्ध का अवतार
कहता है नरसंहार का
कारखाना चलाता है।

चर्रर्र...

धाड़!!!



कुछ लोग उसे अवतार समझते हैं तो कुछ लोग शैतान।



मुझे विदेशी कह कर यह कहा जाता है कि मैं कौन होता हूं दखल देने वाला-

तो फिर कौन दखल देगा?



कियो उसे मारना चाहती है तो फ्यूरियस फाइव उसे बचाना चाहते हैं।

जापान के कानून का रखवाला वो झूठा जेटली?



हत्यारिन कियो?

या वो धर्माधिकारी शिगेहीरो?



नहीं! जहां भी इंसानी जिंदगी का सवाल आएगा दखल देगा आतंकहर्ता नागराज क्योंकि नागराज विदेशी नहीं है नागराज का देश है यह पृथ्वी।

दूर से वार कर रहा था तो ठीक था चुम्बकी...।

...पास से
मुझे जकड़कर तूने
भूल कर दी।

आह!

अब तुझे
भागने नहीं
दूंगा।

इसने अपने सिर पर ये टोप क्यों रख
लिया? क्या ये किसी से बात कर रहा था?

अ...गुरु कोशीमासा
नागराज ने यहां पहुंचकर
सबको मार डाला है। मैं
भी नहीं बचूंगा।

और खून
रंग लाएगा।

नागराज चाहे
कितने भी जतन कर ले
मगर वो हमारा कुछ नहीं
बिगाड़ पाएगा...

आजादी खून
मांगती है...



मौत के मुंह में पहुंचा हुआ इंसान
भला टोप क्यों लगाएगा?



नागराज को मौत
मिलेगी और जापान
को आजादी।

ओह! इस टोप के जरिए चुम्बकी किसी से मानसिक संपर्क स्थापित कर रहा था।



मैं गुरु कोशीमासा
डैड ली, शूतिन, ओका-
बोका और तुम्हारा नाम जापान
की आजादी के इतिहास में
स्वर्णाक्षरों से लिखूंगा।

कोशीमासा को मैंने ऐसा ही टोप लगाए देखा
था। ओह! तो ये कोशीमासा की आवाज है।

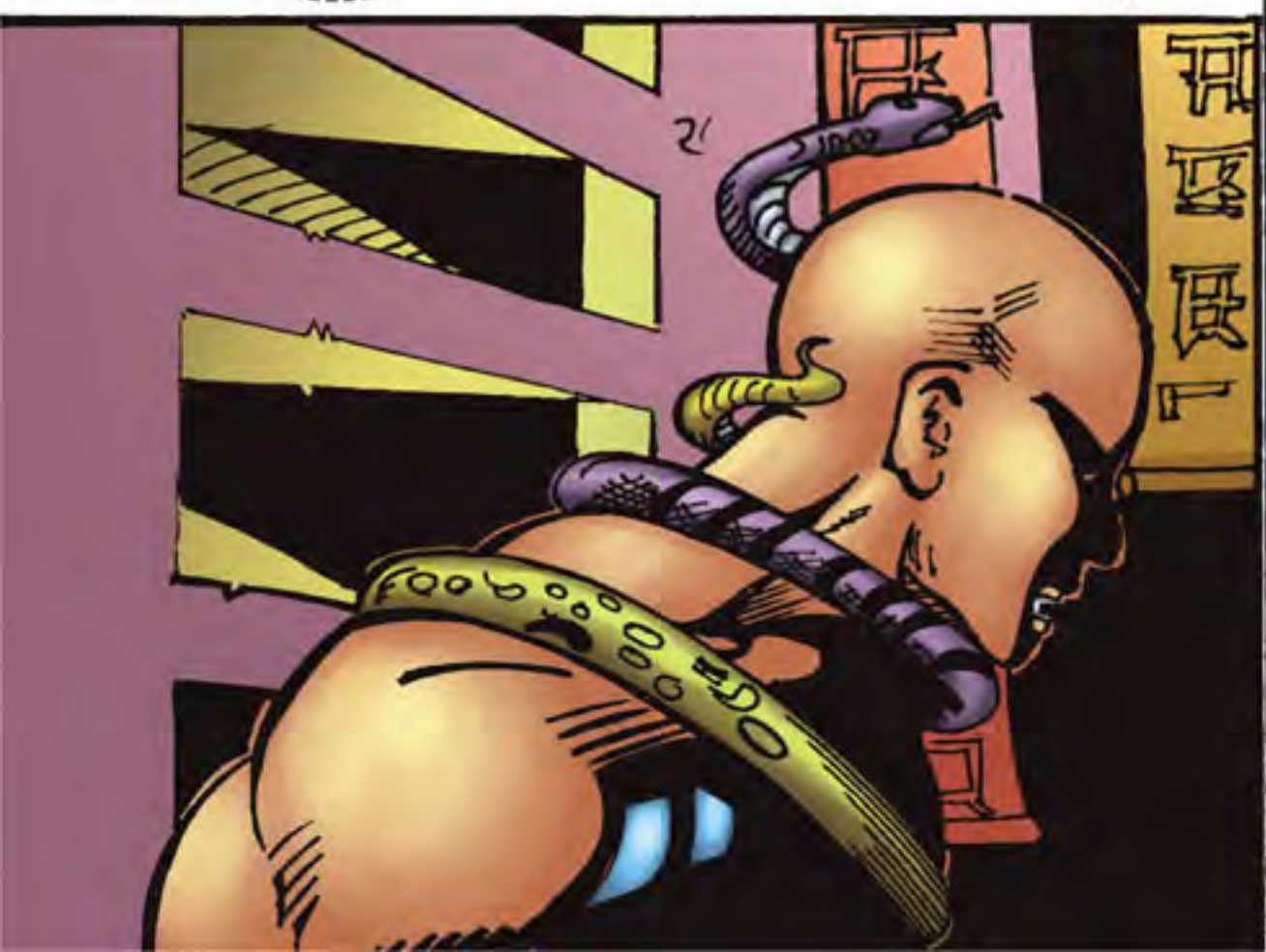
और तुम्हारा नाम
जापान के दुश्मनों की
लिस्ट में सबसे ऊपर काले
अक्षरों में लिखा जाएगा
कोशीमासा



ओह, नागराज
तुम! तुम हमारी
आजादी की राह में
कभी रोड़ा नहीं
बन पाओगे।

जो काम 13 साल
पहले अधूरा छूट गया था
वो अब जरूर पूरा होगा।

और
नागराज मेरा
तुमसे ये वादा है
कि मैं तुम्हें
जापान से ज़िंदा
नहीं जाने
दूंगा।



दरिंदे कोशीमासा
आतंकवादियों को मौत देना
नागराज का काम है।

तो फिर देखते हैं कि
किसकी मौत किस तक
पहले पहुंचेगी?

ओह! कोशीमासा ने शायद अपना वो टोप नष्ट कर दिया है, जिससे वो फ्यूरियस फाइव से सम्पर्क करता था।

यहां ऐसे पांच टोप मौजूद हैं। इन्हें फ्यूरियस फाइव के ही पांच सदस्य पहनते होंगे, जिनमें से डैड ली, शूतिन और ओका बोका मारे जा चुके हैं।

चुम्बकी तुम्हारा पांचवां साथी कौन है और कहां है?

वो समझ गया होगा कि मानसिक सम्पर्कों के जरिए मैं उस तक पहुंच जाऊंगा।

चुम्बकी नागराज को बताता चला गया।

ध्वंसक सर्प जाओ तुम्हारे शहीद होने का समय आ गया है।

बूम

“आज वीरान पड़े इस विला की नींव मेरे पापा टोमोशोगो ने कभी अपने हाथों से रखी थी।”

“पापा कहते थे कि जिस दिन इस घर की नींव रखी गई थी उसी दिन मेरा जन्म हुआ था।”

“अंधेरे से कितना डरती थी मैं।”

पापा!
मम्मी!

“मेरा डर दूर करने के लिए पापा अक्सर मुझे अंधेरे कमरे में छोड़ देते थे।”

जिंदगी में दुःख
और तकलीफों के बहुत
से अंधेरों से गुजरना
पड़ता है...।

..अंधेरे का
डट कर सामना नहीं
करोगी तो उन दुःख और
तकलीफों का सामना कैसे
करोगी कियो?

“सूरज की एक किरण सारे संसार
के अंधेरे को दूर कर देती है।”

“पापा मेरे लिए उसी किरण के समान थे।”

मुश्किलें आएंगी तो
उनके सामने सीना तानकर
खड़े हो जाओ और उन्हें ललकारो
कि आओ। जितना आ सकती हो
आओ। मैं हूँ तुम्हारा सामना
करने के लिए।

ओ यश
पापा। मैं
भी ऐसा ही
कहूँगी।

आज भी मुश्किलों के
सामने सीना तानकर खड़ी
है आपकी बेटी पापा।

आज भी मुश्किलों
को ललकार रही है
आपकी बेटी।

आओ! आओ
सामने।

जितने
आ सकते हो
आओ।

सांघ!!!

झटन



मैं तैयार हूँ
तुम्हारा सामना करने
के लिए।

थड!!!

कियो तो एक तूफान थी।

और...



सांय!!!

...तूफानों का...

थड.



...सामना...

सांय!!!

...भला....

थड.

किक





...किसी के भी...

खट

खट

थड

थड

...परखच्चे उड़ाते हुए गुजर जायें।

क्योंकि यह
करती है हर बार पर
एक शिकार।

मेरी टोमो
के सामने ना आ
जाना।

जहर बुझी धीं सैंडिल के मुंह पर लगीं वो कीलें।

ठीक उसी पल कमरा
रोशनी से भर उठा।

बहुत
फुर्तीली, कटली, छबीली
कटनिया है तू।

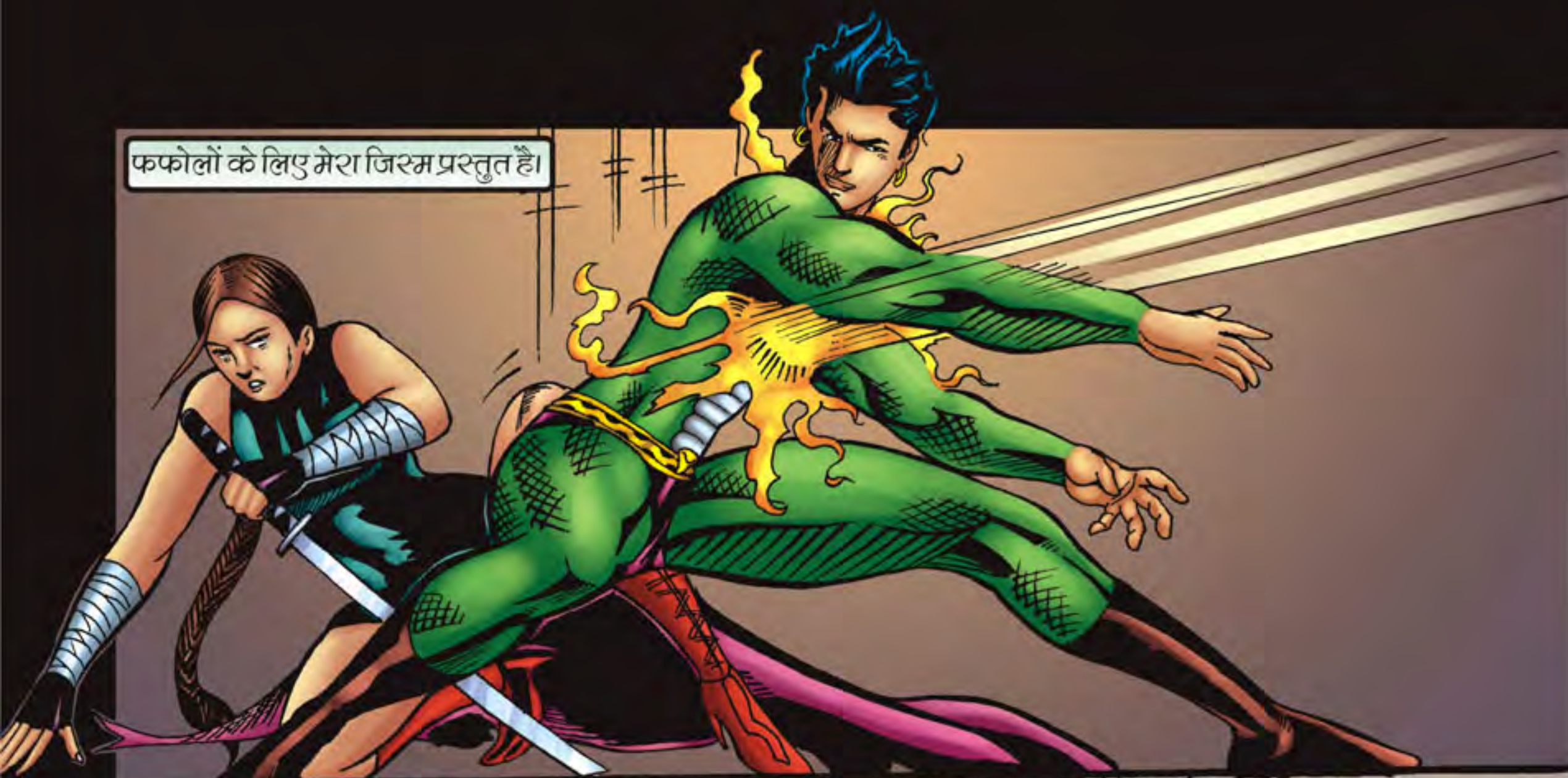
सिर्फ छः सेकेण्डों में मेरे
छः धुरंधर लड़ाकों के छक्के
छुड़ा दिए तूने छमिया।

मेरी टांग से छू
गई है हीट वेवा भयंकर
जलन हो रही है। जैसे
खोलते कड़ाहे में चला
गया हो मेरा पांवा।

अब देख मैं तेरे इस खूबसूरत
बदन के छक्के अपनी इस माइक्रोवेव गन से
कैसे छुड़ाता हूँ। इसकी गर्मी जिरम के पानी को
इतना खौला देती है कि त्वचा आलू के
समान उबल जाती है।

अब तेरे पूरे
जिरम पर फफोले
बना दूंगा।

फफोलों के लिए मेरा जिस्म प्रस्तुत है।



ओह नागराज! तू भी आ गया। चलो। पहले तेरा किरसा समाप्त कर देता हूं।

शर्रर्रर्र...



ओह। बेहद गर्म है यहा।



शरीर का पानी उबलने लगा है...

और शरीर में 90 प्रतिशत पानी ही होता है।



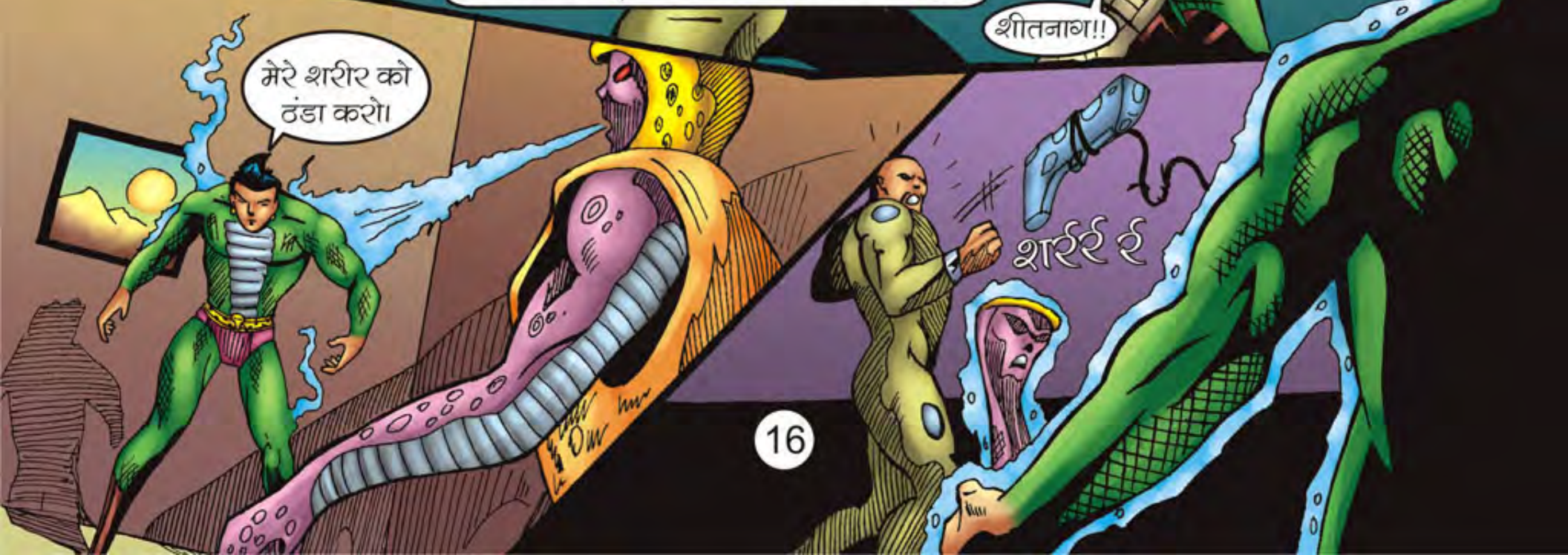


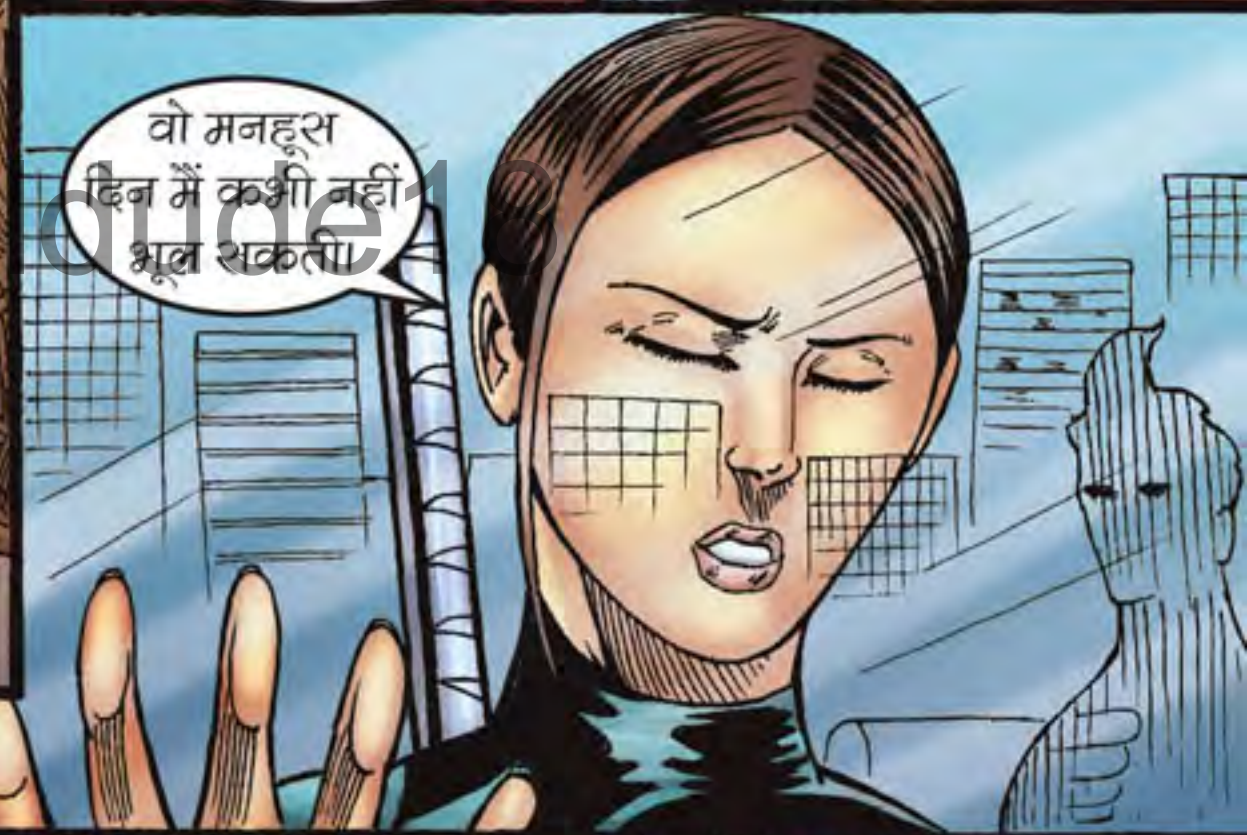
उफ! मेरे शरीर पर फफोले बन रहे हैं। भयंकर जलन हो रही है।



शीतनाग!!

मेरे शरीर को ठंडा करो।





"उन दिनों मेरे पापा 'ओम्' पर किए मुकद्दमे के कारण चर्चा में थे।"

एडवोकेट टोमो शोगो ने ओम् के गुरु कोशीमासा पर लगाया लोगों को जबरदस्ती ओम् का शिष्य बनाने और शिष्यों से भारी-भरकम चंदा वसूलने का आरोप!!

"इस मुकद्दमे में पापा की जीत ओम् को कंगाल कर सकती थी। उन्हें अपने सभी शिष्यों का पैसा लौटाना पड़ता।"

“ये सब चल ही रहा था कि एक दिन पापा घबराए हुए घर पहुंचे। उनकी कमर पर लटकी हुई थी एक कटाना।”

मुई! हमें यहां से तुरंत जाना होगा। कुछ गुंडे मेरी जान के पीछे पड़े हैं।



घर में जो भी कीमती चीजें हैं, उसे साथ ले लो।



“मम्मी ने हम दोनों का हाथ पकड़ा तो-”

हां। यही तो हैं हमारे लिए सबसे ज्यादा अनमोल। हमारे बच्चे चोई और कियो।



पापा! मम्मी एक मिनट में अभी आई।

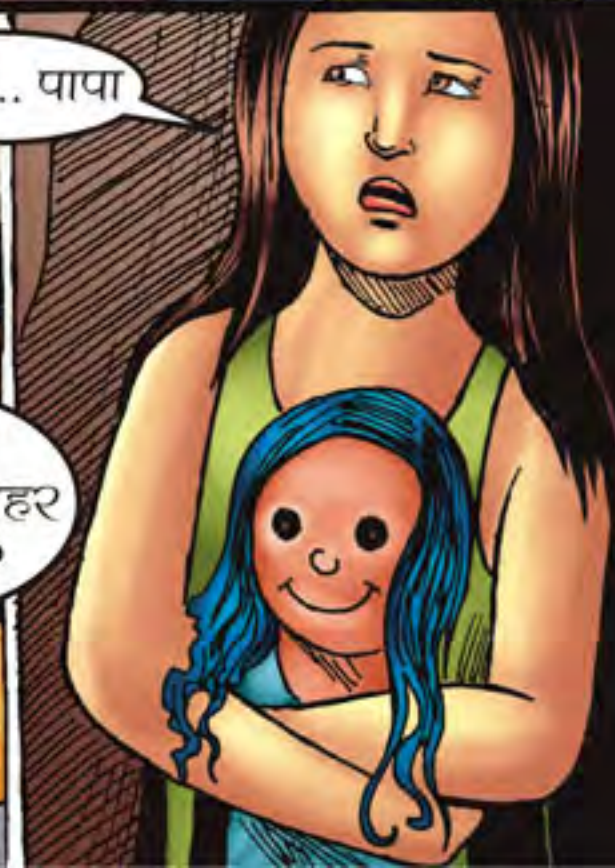


“मैं अपनी डॉल लेने के लिए दूसरे कमरे में चली गई और जब वापस लौटी तो-”

मां! प... पापा

दरिन्दे! तूने इन्हें जहर दे दिया?

20





अब ये कटाना
तुम सबको दोजख का
रास्ता दिखाऊँगी।

खच्चक

ओपफ!



“बुरी तरह घायल पापा अपनी कटाना
से उन गुंडों का सामना करते हुए
किसी तरह मेरे कमरे में आ गए।”

चल
बेटी चल! चल
यहां से।

तोड़ दो
दरवाजा।

पापा,
मम्मी और
भाई।



“उन गुंडों से बचकर हम
मैट्रो ट्रेन में सवार हो गए।”

म... मेरी
बच्ची। मैं भी बचूंगा
नहीं। आह!

पापा!



ये कटाना। ये
जापान के सिपाही के हाथ
में...अमर...असमाप्त...ऐश्वर्य...
शैतान के हाथ में बर्बादी...
त...तबाही।



ओम् ग...गुरु
कोशीमासा...हत्या...
बदला...!!! आह!

अरे! ये तो बुरी
तरह घायल है। डाइवर
को सूचना दो।

पापा! पापा!

“पापा बच नहीं सके।”



“लेकिन बदनसीबी उस ट्रेन में भी मेरे पीछे थी।”

मेरा दम
घुट रहा है।



“मेरी नन्हीं आंखों के आगे हत्यारे गुरु
कोशीमासा की तस्वीर घूम रही थी।”

“ये सरीन गैस का हमला था। -”



“तभी ट्रेन रुक गई और भीड़ ने मुझे भी खींचकर स्टेशन पर उतार दिया।”



“सरीन गैस अटैक में कई लोग मारे गए थे। मैं बच तो
गई थी मगर मेरे शरीर को लकवा मार गया था।”

"वो महीने के इलाज के बाद..."

ये केवल अपने हाथ और अपनी गर्दन ही हिला सकती है। अगर उंगलियां कुछ करने की अवस्था में नहीं हैं।

शायद ये देख, सुन व समझ सकती है अगर बोल नहीं पा रही।

तुमने सुना। अदालत में लिख हो गया है कि शरीर जैसे हावसे में ओम संतान का हाथ था। गुरु को भी मारना अब नहीं बचेगा।

उसे फासी मिलनी चाहिए।

"मेरे पापा मुझे जापान का लिपाही बनाना चाहते थे। वो चाहते थे कि मैं गुरु को भी मारना से अपने परिवार की हत्या का बदला लूं।"

वे...क... कटाना...जापान के लिपाही के हाथ में...

"मैं उठने को छटपटा रही थी।"

"और मेरी छटपटाहट बढ़ती ही जा रही थी।"

"वो साल बीत चुके थे। अब मैं बोल सकने में सक्षम थी। मैं किसी भी तरह उस अस्पताल से निकल जानना चाहती थी।"

23

"मेरी बदनरसीबी ना जाने क्यों मुझसे दो कदम आगे ही चल रही थी।"

"सड़क से टकराकर मेरी हड्डियों का चूरमा बन जाने वाला था।"

"लेकिन मुझे हवा में ही वो हाथों ने खपक लिया था।"

"मुझे होश आया तो मैं उस वृक्ष के सामने थी। जिसके चेहरे पर एक अजीब सा तेज था।"

यया नाम है तेरा?
किसको!

क्यों इतनी बेचैन है? इलाज पूरा हुए बिना अस्पताल से भागने की जरूरी क्यों की तुम्हें? चिंकी और अपाहिज हो जाने का डर भी नहीं सताया तुम्हें?

मेरी आंखों ने जो खूनी गंजर देखा है अगर वो आप की आंखों ने भी देखा होता।

...जिन्हें मैंने खोया है, अगर उन्हें आपने भी खोया होता तो बदले का जो बवंडर मेरे मन में उठा वो आपके मन में भी उठा होता। शरीर की विवशता और लाचारी की जो लड़प मेंने देखी है, वो आपने भी देखी होती तो शायद आपको मुझसे ऐसा प्रश्न करने की जरूरत और हिम्मत ही ना पड़ती।

24



और मैंने
आपसे नहीं कहा
था कि आप मेरी जान
बचाओ। मुझे यहां लाओ।
मेरा इलाज करो। ये क्या
सुईयां घोंप रहे हैं आप
मेरे शरीर पर।
निकालिये इन्हें
बाहर।

“मैं पता नहीं अभी और भी क्या-क्या बकती चली जाती।”

“कि अचानक-”



स्टॉप!

“और उनके इस एक शब्द से जैसे मैं जड़ सी हो गई।”



“वो गुरु देखो थे। अपने आश्रम में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग देते थे।”

“उन्होंने मुझे आश्रम में ही रखा। मेरी देखभाल की। उपचार किया।”



“मैं उनके शिष्यों की समुराई की कला देखकर आंदोलित थी।”

“अगर मुझे बदला लेना था, जापान का सिपाही बनना था तो ऐसी कला में महारथ जरूरी थी”



स्टॉप!

"मैं व्हील चेयर से उठने को मचल उठती। मगर टांगें जवाब दे देती।"



"अपनी विवशता पर मैं चीखती, चिल्लाती।"

मैं खड़ी
होना चाहती हूं। मुझे
ताकत चाहिए।

स्टॉप!

"गुरु ड्रेगो का वो एक शब्द मेरी सारी बेचैनी को शांत कर देता।"

"ड्रेगो बाबा अपने शिष्यों के साथ 'स्टॉप', 'मूव' का खेल सा खेलते थे।"

"हां मेरे लिए तो वो खेल जैसा ही था।"

"लेकिन मेरे बार-बार पूछने पर
एक बार उन्होंने मुझे इस खेल
की हकीकत बताई -"

मूव!

ये खेल नहीं है बच्ची।
ये एक साधना है। खुद पर
नियंत्रण की साधना। सेल्फ कण्ट्रोल।
मार्शल आर्ट सेल्फ डिफेंस की आर्ट है।
लड़ाई जब हिंसक होने लगती है तो
लड़ाके को इस सेल्फ कण्ट्रोल की
जरूरत पड़ती है यदि वो इसमें
माहिर नहीं होता है तो वो
चोट खा सकता है।

"वक्त तेजी से
बीत रहा था।"

देखो। अब तुम
मेरा सहारा लेकर चल
सकती हो।

मैं दौड़ना
चाहती हूँ। भागना
चाहती हूँ। ... बिना किसी
सहारे के।

"मैं गुरु ड्रेगो को वहां से जाता
हुआ देख रही थी। उस वक्त
मेरी आंखें खुशी से छलक
रही थीं। मैं अपने पांवों पर
खड़ी थी।"

"मैंने समुराई फाइटर बनने की इच्छा जाहिर की -"

ये विद्या कमजोर
लोगों के बस की बात
नहीं।

पहले योगा
करके अपने उद्वेलित मन
को शांत करो।

"मैंने दो साल तक योगा का अभ्यास किया।"

"गुरु ड्रेगो ने मुझे आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना शुरू किया।"

तुम खुद पर
नियंत्रण करना सीख
गई हो। लेकिन इस विद्या का
प्रयोग हमेशा दूसरों की भलाई
के लिए या आत्मरक्षा के
लिए ही करना।

"उन्होंने मुझे वो आर्ट भी सिखाई जिसे आज तक
उनका कोई भी शिष्य नहीं सीख पाया था।"



ई या
SSS ह

कड़
डड़

गुरु कोशीमासा से बदला लेने में क्या आप मेरी मदद नहीं करेंगे?

मैंने तुम्हें समुराई अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए सिखाई थी कियो।

यह कला बदले की भावना से मर जाती है कियो।

एक ड्रेगन फाइटर को बदले के बारे में सोचना श्री नहीं चाहिए।

इस विद्या को सीखकर आज से तुम ड्रेगन फाइटर बन गई हो।

“और उस क्षण मैंने गुरु ड्रेगो को चौंका दिया।”

अब मैं अपने मकसद के लिए एकदम तैयार हो चुकी हूं गुरु ड्रेगो।

कैसा मकसद?

तुम्हें मैंने 'स्टॉप' एण्ड 'मूव' का मंत्र दिया है। 'स्टॉप' का मतलब है 'रुको' और जब इंसान रुक जाता है तो सबसे पहले उसके अंदर का क्रोध रुकता है। उसके अंदर की हिंसा रुकती है और जब उसका अपनी इंद्रियों पर कंट्रोल हो जाता है तब वो मूव करता है।

सब कुछ रुक सकता है...



“मैं उस गली से तबाही मचाती गुजरी और सुजुकी को कत्ल कर दिया।”



“और याकुजा के फैमिली हैड यमाह तक जा पहुंची।”

याकुजा का जो सदस्य जेल काट कर आया हो वो एरिया कमाण्डर बनने के लायक नहीं हो सकता।

गुड! लेकिन एरिया कमाण्डर बनने के लिए तुम्हें अपनी योग्यता को साबित करना होगा। हमें नागराज को मारने की सुपारी मिली है। यदि तुम नागराज को मार पाई तो याकुजा में तुम्हारी ये पोस्ट पक्की।



और मैंने अपनी योग्यता साबित कर दी।

आपके दिल का एरिया कमाण्डर ऐसा होना चाहिए जिसे कोई पकड़ ना सके।

यानि कि जैसे तुम? जिसे यहां मुझ तक पहुंचने से दौ सौ फाइटर भी नहीं रोक सके।

तो यह थी तुम्हारी कोशीमासा से दुश्मनी की वजह।

मुझे लगता है कियो कि पिछले दिनों हुई घटनाएं गुरु कोशीमासा को जेल से बाहर लाने की योजना का ही हिस्सा थीं।

यदि ये सच है तो इसके पीछे जरूर कोई बड़ी प्लानिंग है और अपने पिता के कारण तुम भी उस प्लानिंग का हिस्सा हो सकती हो।

ऐसा तुम कैसे कह सकते हो नागराज?

क्योंकि उन्होंने तुम पर हमला किया है।

लेकिन मैं तो यहां रहती ही नहीं। मैं तो यहां हर साल अपने परिवार की बरसी पर ही आती हूं।



ओह! इसका मतलब वो लोग यहां किसी चीज की तलाश में आए थे। जरा देखो इस टोमो शोगो विला को। इस के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली गई है।



सभी कमरों का यही हाल है!

यानी कि फफोली और उसके गुंडे यहां किसी चीज की तलाश में आए थे।



और तभी आ गई होंगी तुम। तुम्हारे आने से उनकी तलाशी में विघ्न पड़ा और तब उनकी तुमसे लड़ाई हुई।

"मुझे मौत देने में तुम तो कामयाब हुई थी कियो लेकिन मौत कामयाब ना हो सकी"

कियो तुम्हारे पिता की मृत्यु का कारण ओम संगठन ही है। लेकिन उनकी हत्या काशीमासा नहीं क्योंकि मुकद्दमों की डिटेल स्टडी से मुझे पता चला है कि सरिन अटेक से कई घंटे पहले कोशीमासा को बुरी तरह घायल अवस्था में अस्पताल में भरती कराया गया था।



नागराज मेरे पिता की हत्या के पीछे ओम का हाथ होना ही कोशीमासा से मेरी दुश्मनी के लिए काफी है।



उफ! ये बुरी तरह घायल है।

नागराज क्या तुम मुझे बताना चाहोगे कि इटली में तुम मौत के मुंह से कैसे बच निकले?



नागराज! होश
में आओ।

“रक्त प्रवाह सामान्य होते ही मेरे जख्म
तेजी से भरें!!”

नागराज!



ओह! उस आक्रामक
लड़की ने इन छोटी छुरियों से नागराज
की नसों के अतिसंवेदनशील प्वाइंट्स पर वार
किए हैं। नागराज के शरीर का ऊर्जा प्रवाह रुक
गया और अंग सुन्न हो कर बेकार हो गए
हैं। वो मर्मविद्या की माहिर होगी।

नागराज के रक्त में
मौजूद सर्प उसके घावों की
सिलाई करके जख्म तो भर
सकते हैं मगर नसों को छुरियों ने अभी
भी दबा रखा है। पहले मुझे इन छोटी
छुरियों को ही नागराज के शरीर
से बाहर निकालना होगा। जिन्होंने
नागराज के जिस्म का रक्त
प्रवाह रोक दिया है।

“तब सौडांगी ने खींच निकाले
मेरे शरीर में धंसे सभी तीर।”

नागराज के शरीर की
सभी गतिविधियां रुकी हुई हैं।
और कुछ पल बाद नागराज को
मृत्यु से वापस नहीं लाया
जा सकता था।

तुम जल्द
ही अच्छे हो जाओगे
नागराज।



अ... सौडांगी!
तुम?

शुक्र है
तुम्हें होश आ गया
नागराज।



कियो को हैरानी से बाहर
निकाला नागराज ने-

नागराज कियो की चीख
सुनकर वापस पलटा।

अब मैं चलता
हूँ कियो। अपना ध्यान
रखना।

हां नागराज।

आहSS!
नागराज उसे
पकड़ो।

जब तक नागराज संभलता
कार दूर जा चुकी थी।

कियो क्यों चिल्लाई? ओह! ये
वहां कैसे लटक गई? किसे
पकड़ने को कह रही है?

जुरुSSSSम

नागराज कियो के पास पहुंचा।

मैं तुम्हारा
पांव थिल में से निकाल
देता हूँ।



क्या हुआ था?

नागराज!
वो यहीं था...



...ये वही नकाबपोश था नागराज जिसने मेरे भाई और मम्मी को जहर दिया। मेरे पापा की मौत का जिम्मेदार। मैं उसे पहचान गई हूँ वो गुरु कोशीमासा था।

वो यहीं छुपा हुआ शायद तुम्हारे जाने का इंतजार कर रहा था।

तुम्हारे निकलते ही उसने पीछे से मेरे सिर पर वार किया।

वो मेरी टोमो पर झपटा।

टोमो?

...टोमो।
मेरी कटाना।
मेरी कटाना उसने छीन ली मगर साया मेरे हाथ में ही रह गई। सिर पर चोट की वजह से मैं उसे पकड़ नहीं पाई और उसने मुझे नीचे धक्का दे दिया।



लेकिन ये शख्स तो वही था जो सुप्रीम कोर्ट से गुरु कोशीमासा को किडनैप करके ले गया था। तुम्हें गलतफहमी हुई है। ये नकाबपोश गुरु कोशीमासा नहीं हो सकता।

मगर वो जो भी था, उसी कटाना की तलाश में आया था...।



और...इस साया पर 'ओम्' का ये निशान...

ये तो ओम् संगठन का साइन है।



इसका मतलब ये कटाना गुरु कोशीमासा की हो सकती है।

तुम्हें ये कटाना तुम्हारे पापा ने दी थी।

तो उन्हें यह कटाना किसने दी थी?

सबसे पहले अमेरिकन एम्बेसी पर हमला किया गया जिससे क्रोधित हुए अमेरिकन्स ने कोशीमासा को सजा देने की डिमांड की।

उसके लिए कोशीमासा को बेहद गुप्त जेल से निकाला गया और तब उसको कानून की गिरफ्त से आजाद करा लिया गया।

...जरा सोचो कियो अगर कटाना गुरु कोशीमासा की जरूरत होती तो उसे वो इन तेरह सालों में फ्यूरियस फाइव से कभी भी हासिल करवा लेता। मगर कटाना जरूरत थी उन अपराधियों की, जिनका कोई मिशन तेरह साल पहले कोशीमासा के कैद होने के कारण फ्लॉप हो गया।

उन्हें कटाना की इतनी जरूरत क्यों है? ये रहस्य अभी हम नहीं जानते। शायद ये रहस्य हमें बता सकता है कोशीमासा जो हमारे पास नहीं है।

...गुरु कोशीमासा का अपहरण कटाना को प्राप्त करने के लिए ही किया गया हो सकता है।

अब सवाल ये उठता है कि अगर गुरु कोशीमासा इन सब घटनाओं के पीछे नहीं है तो फिर गुरु कोशीमासा बनकर उन टोपों के जरिए फ्यूरियस फाइव को मानसिक संकेत कौन दे रहा था?

लेकिन तब भी काम अधूरा था कोशीमासा से उन्हें जो खास चीज चाहिए थी वो उसके पास नहीं थी। वो थी तुम्हारे पास। वो कटाना जो वो नकाबपोश छीन कर ले गया है।

अब तुम्हें उनसे खतरा नहीं है। अब जापान को उनसे खतरा है।

वो केवल एक ही शख्स हो सकता है...

मुझे फौरन शांतियो पहुंचना होगा।

नागराज तुम समझते क्यों नहीं शैतान कोशीमासा उनसे मिला हुआ है।

उसी समय-

मैंने शिगेहीरो के आश्रम में उसके पास वैसा ही टोप देखा था, जैसा मैंने गुरु कोशीमासा के सिर पर भी देखा था।

मुझे पूरा यकीन है कि उस टोप के जरिए शिगेहीरो ही गुरु कोशीमासा बनकर फ्यूरियस फाइव को संदेश देता रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि शिगेहीरो ऐसे बहुत से राज जानता है जिन्हें कोई और नहीं जानता।

गुरु कोशीमासा! मैंने कटाना को प्राप्त कर लिया है। अब जापान आजाद होगा और अमेरिका होगा तबाह।

लेकिन शांतियो पहुंचकर नागराज रह गया हैरान-

अब आपकी भविष्यवाणी सच साबित होने का समय निश्चित कर दिया जाएगा।

जेटली के निर्देश पर गुरु कोशीमासा को तुरंत पुलिस वेन में बैठा दिया गया-

अरे...मिस्टर जेटली। सुनो। मुझे...!

जल्दी करो। इसे फौरन जेल ले कर जाओ।



मिस्टर जेटली। मैं गुरु कोशीमासा की जांच करना चाहता था लेकिन आपने बहुत जल्दी उसे फोर्स के सुपुर्द कर दिया।

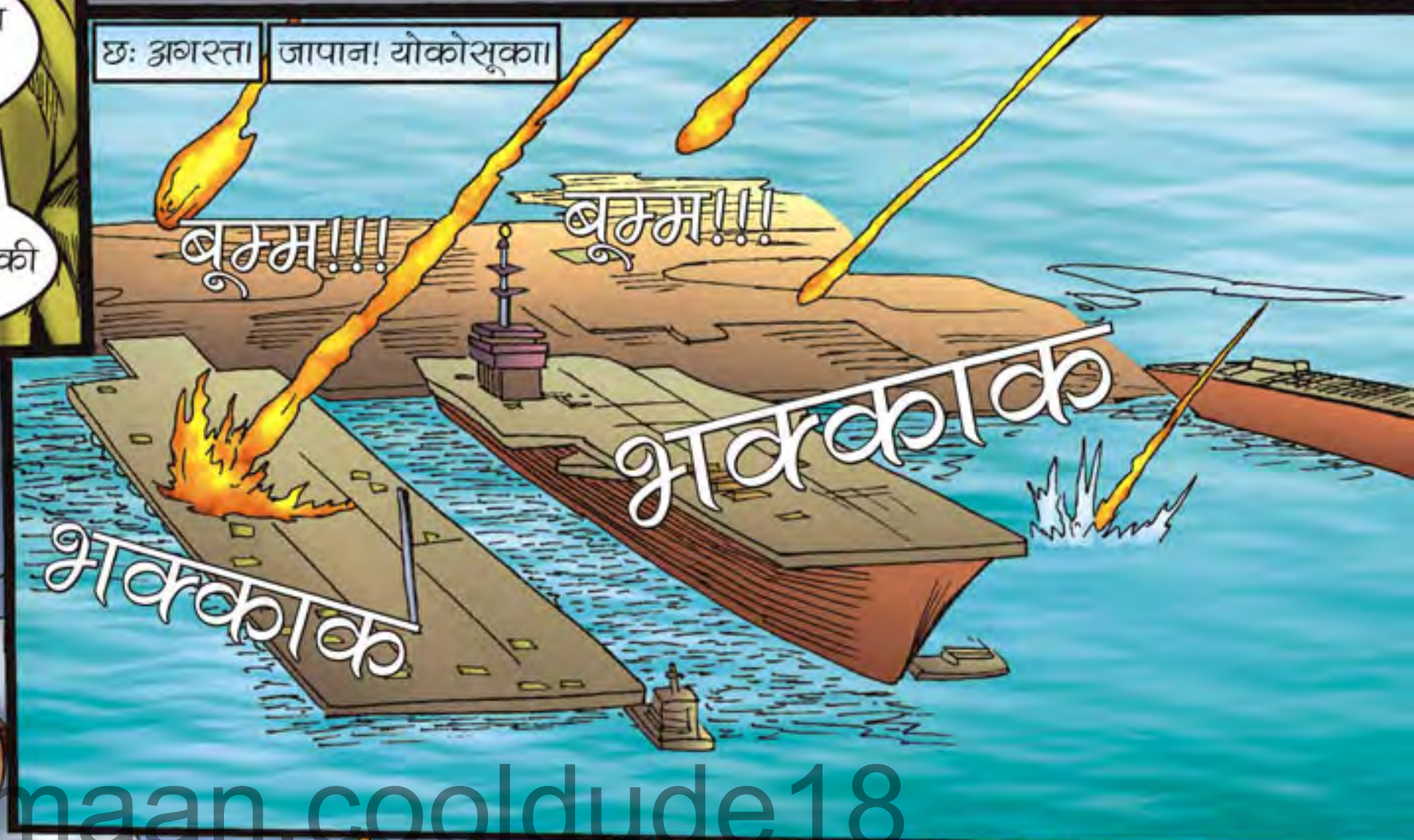
कैसी जांच? वो देशद्रोही है। उसको मौत की सजा दी जा चुकी है।



आपको तो इस केस से हटा दिया गया था?

हां नागराज लेकिन मेरे सूत्रों ने शिगेहीरो और कोशीमासा की सटीक सूचना मुझ तक पहुंचा दी थी। शिगेहीरो फरार हो गया है लेकिन बचेगा वो भी नहीं।

छ: अगस्ता। जापान! योकोसूका।



बूम!!!

बूम!!!

भक्काक



आसमान से आग बरस रही है।

युनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स, ओकी नावा।

ये आग के गोले कहां से बरस रहे हैं?

बूम!!!

भक्काक

भक्काक

बूम!!!



हीरो एम्यूनिशन डिपो, हिरोशिमा!

भक्काक!!! बूम

उफ! ये कैसा
हमला है।

व्हाइट बीच एरिया, ओकी नावा।

भक्काक!!! बूम

पूरे जापान में तहलका मच गया था।

नेशनल टी.वी. पर गुरु कोशीमासा के
मैसेज ने सबको स्तब्ध कर दिया था।

ये कहर दूटा
है कुदरत का।

मेरी भविष्यवाणी
सच हो रही है।

13 साल पहले मैंने
कहा था कि अग्नि पुरुष
मसीहा आएगा।

कुदरत ने मुझे दी
है अग्नि पुरुष की शक्ति।
अमेरिकी ये देश छोड़ दें। जापान
अब किसी आर्टिकल-9 का
पालन करने के लिए
बाध्य नहीं होगा।

मेरे हाथ में है अब
कुदरत की शक्ति का नियंत्रण।
पूरे संसार में कहीं भी आ
सकती है ऐसी तबाही।



मेरी चेतावनी को गम्भीरता से लेना अन्यथा ये तो अभी शिन चैन था अब आएगा सूमो।

हम यहां गुरु कोशीमासा की जुबान नहीं खुलवा पाए और यहां टी.वी. पर वो खुलेआम भड़काऊ भाषण दे रहा है।

मिस्टर जेटली। इस घटना से पूरे विश्व की सरकारें हिल गई हैं।

अमेरिका अपने सातवें बेड़े को तैयार कर रहा है।

उसकी मिसाइलें जापान की तरफ तन गई हैं।



अमेरिकी आका इसे जापान की साजिश मान रहे हैं। जबकि जापान सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है।



जापान में एमरजेंसी घोषित कर दी गई है और गुरु कोशीमासा की मौत की कार्रवाही को हमारे हाथ से छीन लिया गया है।

उसे फौरन गोली मार दो। वो देशद्रोही है। टी.वी. पर प्रसारित मैसेज उसके पकड़े जाने से पहले रिकॉर्ड किया गया होगा। ये सारी साजिश उसी की है।

अमेरिकी सरकार इस घटना को लेकर बहुत गम्भीर है। अब गुरु कोशीमासा FBI को सौंप दिया गया है। उसकी जिंदगी और मौत का फैसला अब उन्हीं के हाथ में है।

पूरे जापान में आपात स्थिति की घोषणा कर दी गई।

स्थिति को काबू करने के लिए जापान की सेल्फ डिफेंस फोर्स और अमेरिकन मिलिट्री टोक्यो की सड़कों पर आ गई।



तब एक बार फिर हुआ गुरु कोशीमासा का प्रसारण-

जापानवासियों जागो इतने साल तुमने रोनिन की जिंदगी गुजारी है। अब समय आ गया है कि तुम अपने राजा के सम्मान की रक्षा के लिए अपने घरों से बाहर निकलकर अमेरिकन्स को अपने घरों से बाहर खदेड़ दो।

गुरु कोशीमासा की धमकी ने जापानवासियों के क्रोध को भड़का दिया-

अमेरिका जापान को आजाद करो।

अमेरिकी सेना वापस जाओ।

नागराज घटनाओं के तार जोड़ने की कोशिश कर रहा था।

1941 में पर्ल हारबर की घटना के बाद से अमेरिका की जापान से दुश्मनी चली आ रही थी।

छ: अगस्त को ही अमेरिकन बेस पर हमला किया गया। कोशीमासा और शिगेहीरो का निशाना अमेरिका ही रहा है। कल भी शहर में दो अमेरिकन्स की क्षत-विक्षत लाशें मिली हैं।

छोड़ दो। छोड़ दो इन्हें। कानून को अपने हाथों में मत लो। सभी अपने घरों में वापस जाओ।

जापान की हिंसा को रोकने के लिए अमेरिका ने कई चेतावनी दीं जिसे जापान अनसुना करता रहा।

छ: अगस्त 1945 को हिरोशिमा पर परमाणु बम अटैक हुआ जिसमें लाखों निर्दोष जापानी मारे गए।

कोशीमासा ने कहा यह था शिन चैन अब आउगा सूमो इसका क्या अर्थ हो सकता है?

ये 64 साल का गुस्सा है। फट पड़ा है। अब इन्हें रोकना मुश्किल है। यह सभी निर्दोष हैं। मुझे बचाव का रास्ता अपनाना होगा।

वापस तुम जाओ नागराजा जापान को छोड़कर हर विदेशी को वापस जाना होगा।

उफ! भीड़ का क्रोध किसी परमाणु बम से कम नहीं होता।

एक बार फटा तो तबाही निश्चित है।

फिर इन्होंने तो हिरोशिमा और नागासाकी में मरे दो लाख लोगों का विस्फोट अपने सीनों में दफन किया हुआ था।

अब उनका क्रोध फटेगा लिटिल
बॉय और फैट मेन की तरह।

लिटिल बॉय और फैट मेन? शिन चैन जापानी मांगा का एक शरारती पांच साल
का बच्चा। छोटा बच्चा, लिटिल बॉय। सूमो फाइटर होते ही मोटे हैं यानी फैट मेन।



शीतनाग। सौडांगी।

इसी के साथ नागराज की चेतना बेहोशी की दुनिया की तरफ चल पड़ी थी।

ये सभी
निर्दोष हैं इन्हें चोट ना
पहुंचानाSSS

सौडांगी और शीतनाग के जादुई अवतार ने भीड़ को स्तब्ध कर दिया।

भूल थी उनकी अब यह काम आसान नहीं था।

और तब तो बिल्कुल नहीं जबकि उन्हें सिर्फ बचाव करना था।
अब जापान की धरती पर तीन रक्षकों की मौत निश्चित थी।

लेकिन तभी आया वो तूफान-

कियो का तूफान-

लेकिन सिर्फ एक
पल के लिए। उग्र
भीड़ अब अपने
शिकार को बचने
का मौका नहीं
देना चाहती थी-

शीतनाग नागराज
के जिरम की आग बुझाओ में
इन्हें रोकती हूं। तुम नागराज
को लेकर निकलो।



अगले ही पल नागराज सुरक्षित हाथों में था।

सौडांगी और शीतनाग समा चुके थे नागराज के जिस्म में-



पता नहीं कितना समय गुजर गया था तब तक जब नागराज को उस सुनसान खंडहर में होश आया।

आंखें खोलो नाग सम्राट।

आह!



और तब जैसे बिजली भर गई हो नागराज के जिस्म में। ऐसे ही उछल कर खड़ा हुआ था वो-



सौडांगी! मुझे फौरन जेटली से बात करनी है इससे पहले की अनर्थ हो जाए। कहीं अमेरिका नागाशाकी ना बन जाए।

नागराज ने फोन पर जेटली से संपर्क साधा-



मिस्टर जेटली मुझे लगता है कल नौ अगस्त को कोई बड़ी घटना होने वाली है।

अब कुछ नहीं होगा...

...क्योंकि फैसला लिया जा चुका है। गुरु कोशीमासा को गोली मारकर उनको मौत की सजा दे दी जाएगी। उसकी मौत के साथ ही उसका आतंक खत्म हो जाएगा।

8 AUGUST
10:00 PM

मिस्टर जेटली। तुम कुछ भी करके मुझे गुरु कोशीमासा तक पहुंचाओ।

मैं कुछ नहीं कर सकता नागराज। बात मेरी पॉवर से निकल चुकी है।



मेरा उसके पास पहुंचना बहुत जरूरी है।

उसे अमेरिकी सेना और एफ.बी.आई. के सुपुर्द कर दिया गया है। उससे पूछताछ चल रही है। वही उसे दो घंटे बाद मौत के हवाले कर देंगे। तुम किसी भी सुरत में टोक्यो की सड़कों पर नहीं निकल सकते।

पूरे जापान की सुरक्षा इस वक्त अमेरिकन और सेल्फ डिफेंस फोर्सिस के हाथों में है। सड़कों पर निकलने वाले किसी भी व्यक्ति को गोली मार दी जाएगी।

नागराज को टोक्यो टॉवर पहुंचने से भला कौन रोक सकता था!

जाओ! पूरे टोक्यो में फैल जाओ।

उसकी खोज करो।

मुझे गुरु कोशीमासा चाहिए। जिंदा।

जल्दी से जल्दी!!!

जल्द ही नागराज तक पहुंच गए थे सर्प संदेश-

लेकिन वह उसी दिशा की तरफ जा रहा है।

बिना चेतावनी के ही नागराज पर गोलियों की बौछार दाग दी गई-

तड़ तड़
तड़ तड़
तड़ तड़

क्राइम फाइटिंग में यह सबसे मुश्किल क्षण होते हैं। यह अपने अफसरों के हुक्म के गुलाम हैं। ना तो यह समझेंगे और ना ही मैं इन्हें कुछ नुकसान पहुंचा सकता हूं।

यह मेरी मंजिल से विपरीत दिशा की ओर जा रहा है।

कुछ ही पलों में ये मुझे मेरी मंजिल तक पहुंचा देगा।

मेरी मंजिल, गुरु कोशीमासा।

मिलिट्री बेसों पर हमला कहां से और कैसे हुआ? बोलो

किर्रर्र

बताओ! इस साजिश में तुम्हारे साथ और कौन-कौन शामिल है?

अब ये कभी कुछ बोलने के लायक नहीं रहेगा।

असहनिय दर्द ने कोशीमासा के होश छीन लिए थे।

सांघ आह!

अब ये कभी नहीं बोलेगा।

आह!

सांघ

आह!

अब इसके मुंह से केवल एक सांस निकलेगी...

आखिरी सांस!

मेरी टोमो तो तूने छीन ली मुझसे लेकिन ये शोणो तुझे मौत के घाट उतारेगी दुष्ट कोशीमासा।

आखिरी सांस यानि आखिरी सफर...
शिकाता गा नई
NOTHING CAN BE DONE

विश्व आतंकवाद का अब कुछ नहीं हो सकता...



शिकाता गा नई

Nothing can be done

प्यारे हरे दोस्तों, जनून!

ग्रीन पेज पर आपका स्वागत है। हालांकि अब यह ग्रीन कलर का नहीं है, लेकिन हमारे और आपके प्यार की हरियाली इसमें खूब है। इस ग्रीन पेज के जरिये मैं हमेशा आपको राज कॉमिक्स की आगामी योजनाओं, कार्यक्रम व स्थिति से अवगत कराता आया हूँ, आगे भी कराता रहूँगा। आपके और हमारे बीच यह हरा जनून हमेशा कायम रहेगा। मैं आप सभी का यह हरा पन्ना पढ़ने के लिए आभारी रहूँगा। **रोनिन** एवं **कामीकाजे** की सफलता के लिए सभी नागराज प्रेमियों को बधाई। **WTS** (वर्ल्ड टेरॉरिज्म सीरीज) के लिए हमें मिलने वाले बधाई संदेश इसकी बढ़ती लोकप्रियता के परिचायक हैं। हम भी पाठकों की पसंद को गम्भीरता से लेते हुए निरंतर इस सीरीज में नये बदलाव कर रहे हैं। आशा है प्रशंसकों को **टोमो** पसंद आई होगी। **टोमो** में हमने नागराज की हत्यारिन, ड्रेगन फाईटर कियो की कहानी बताई है जो कि इस सारे षड़यंत्र की एक अहम कड़ी है। अगर आपको लगता है कि नागराज मेन विलेन तक पहुंच गया है तो हम आपको बता दें कि नागराज इस सीरीज की अंतिम कड़ी यानी आगामी कॉमिक्स **शिकाता गा नई** के अंतिम पृष्ठों तक भी असली अपराधी तक नहीं पहुंच पाएगा। जापान सीरीज के बाद **WTS** की आगामी सीरीज होगी जर्मनी सीरीज। पूरा विश्व एक बार फिर दहलने वाला है शर्मनाक नरसंहार के भूतों से। कुछ गम्भीर भविष्यवाणियां हुई हैं जिन्हे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता और उन पर अमल हुआ तो खत्म कर दी जाएगी आधी से अधिक विश्व जनसंख्या और इस भीषण अपराध का आधार बनने जा रहा है नागराज। नागराज यदि जर्मनी जाता है तो नरसंहार तत्काल शुरू होगा। नहीं जाता है... तो भी नरसंहार होकर रहेगा। साथ ही होगा नाग संहार। किन्तु इस सीरीज से पहले आप पढ़ेंगे नरक नाशक नागराज सीरीज की **अभिषप्त** और उसके पश्चात नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव की टू इन वन सीरीज **अवशेष** के गजबनाक विशेषांक। सुपर कमाण्डो ध्रुव के प्रशंसकों के लिए इसी सैट में प्रकाशित हो रही है **स्टेच्यू**। इसका आगामी पार्ट **गेम ओवर** भी आगामी सैट में प्रकाशित होगा। इसके पश्चात आएंगी **जीनीयस** व **डेड और एलाइव**। इसी सैट में प्रकाशित हुई है महाबली भोकाल की कॉमिक्स **महागुरु भोकाल**। यह महाबली भोकाल के **ORIGIN** सीरीज की अंतिम कॉमिक्स है। इस सीरीज में भोकाल शक्ति व महागुरु भोकाल की जन्म कथा का वर्णन किया गया है। लेकिन अभी यह भोकाल की जन्म कथा के बिना अधूरा है। भोकाल का जन्म कैसे हुआ? यह जानकारी हम आपको देंगे किन्तु उसका प्रस्तुतिकरण बदला जा रहा है। अब हम कहानी को फिर से विकास नगर ले जा रहे हैं भोकाल की आगामी कॉमिक्स **धिकार** में। इसी सैट में प्रकाशित बांकलाल की **सातवां धोड़ा** के साथ सात सवाल की यह श्रृंखला भी समाप्त हो रही है। बांकलाल की आगामी कॉमिक्स है **गधाधारी बांकलाल**। नितिन मिश्रा द्वारा रचित व सुशांत पंडा द्वारा चित्रित। आगामी सैट में समाप्त हो रही हैं तीन सीरीज- नागराज जापान सीरीज, डोगा की **ओल्ड इज गोल्ड** व सुपर कमाण्डो ध्रुव की **स्टेच्यू** सीरीज। आगे कॉमिक्स कम से कम पार्ट्स में प्रकाशित करने की हमारी योजना है। पूर्व सैट में प्रकाशित **वन रक्षक** (उदगम श्रृंखला) को भी आशातीत सफलता मिली है। इस सीरीज की बाकी दो कॉमिक्स **शापित रक्षक** व **आहुति** भी हम पाठकों को जल्दी ही उपलब्ध कराएंगे।

चलते-चलते राज कॉमिक्स पाठकों को एक सूचना और देना चाहूँगा कि वे राज कॉमिक्स वेबसाइट www.rajcomics.com पर **Free web comics** पढ़ सकते हैं। इसके अलावा राजस्थान पत्रिका ग्रुप की वेबसाइट पर भी अब राज कॉमिक्स उपलब्ध है। एयरटेल व वोडाफोन के ग्राहक भी राज कॉमिक्स अपने मोबाइल फोन्स पर पढ़ सकते हैं। अंत में एक बार फिर कहूँगा कि **पाइरेसी को किसी भी कीमत पर हटाएँ और राज कॉमिक्स को मजबूत बनाएँ। राज कॉमिक्स खरीद कर ही पढ़ें।**

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें: ग्रीन पेज नं. 303, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. FORUM पर अपनी पोस्ट आप WWW.RAJCOMICS.COM पर करें।

जनून

धन्यवाद

आपका संजय गुप्ता

Green Page No. 303